Candidate Marks Report

Series : Apr-May 2016

This candidate's script has been assessed using On-Screen Marking. The marks are therefore not shown on the script itself, but are summarised in the table below.

Centre No :	rpsc	Assessment Code :	Paper-IV (Second Valuation)
Candidate No :	417494	Component Code :	01
Candidate Name :	NONAME		

Total Marks :	**109.5 / 200**

In the table below 'Total Mark' records the mark scored by this candidate.
'Max Mark' records the Maximum Mark available for the question.

om singh Shekhawat

Paper:	**2004A**
Paper Total:	**109.5 / 200**

Question	Total Mark / Max Mark
1a	1.5 / 2
1b	2 / 2
2a	2 / 2
2b	2 / 2
3a	0.5 / 2
3b	2 / 2
4	3 / 3
5	2.5 / 3
6	4 / 4
7	4 / 4
8	1.5 / 4
9	6 / 10
10	5 / 10
11a	3 / 5
11b	3 / 5
12	20 / 40
A1	2 / 2
A2	2 / 2
A3	1 / 2
A4	0 / 2
A5	1 / 2
B1	2 / 5
B2	2.5 / 5
1	3 / 3
2	2 / 3
3	3 / 3
4	3 / 3
5	2 / 3
6	3 / 3
7	3 / 3
8	1 / 3
9	1 / 3

om singh Shekhawat

10	2 / 3
11	4 / 10
12	4.5 / 10
13	2.5 / 15
14	3 / 15

PART - I

Paper Code

P-4

417494

MPORTANT NOTES
महत्त्वपूर्ण निर्देश

(A) Please fill up the OMR Sheet of this Question-Answer Booklet properly before answering.
प्रश्नोत्तर पुस्तिका में प्रश्न हल करने से पूर्व उसके संलग्न ओ.एम.आर. पत्रक को भली प्रकार से भर लें ।

(B) The question paper is divided into different unit and parts. The number of questions to be attempted and their marks are indicated in each unit and parts.
प्रश्न-पत्र विभिन्न यूनिट एवं भागों में विभाजित है । प्रत्येक यूनिट एवं भाग में से किये जाने वाले प्रश्नों की संख्या और उनके अंक उस यूनिट एवं भाग में अंकित किये गए हैं ।

(C) Attempt answers either in **Hindi or English**, not in both. For Language Papers, answer in concerned language and script, unless directed otherwise to write in Hindi or English specifically.
उत्तर **अंग्रेजी या हिन्दी** भाषा में से किसी एक में दीजिये, दोनों में नहीं । भाषा विषयक प्रश्नों के उत्तर उनकी संबद्ध भाषा व लिपि में ही दिए जाएँ, जब तक कि प्रश्न विशेष के लिए अलग से हिंदी या अंग्रेजी में उत्तर देने के लिए न लिखा गया हो ।

(D) The candidates should not write the answers beyond the prescribed limit of words; failing this, marks will be deducted.
अभ्यर्थियों को अपने उत्तर निर्धारित शब्दों की सीमा से अधिक नहीं लिखना चाहिए । इसका उल्लंघन करने पर अंक काटे जायेंगे ।

(E) Please write answers only in the prescribed space of booklet. Do not write any mark of identity inside the Answer Script (including Paper for rough work) i.e. name, address, telephone number, Name of God etc. or any irrelevant words other than the answer of question. Such act will be treated as unfair means. The Commission may also deduct 5 marks from the marks obtained, if Roll Number is not filled correctly on the O.M.R. Sheet.
किसी भी प्रश्न का उत्तर प्रश्नोत्तर पुस्तिका में निर्धारित स्थान पर ही लिखें । प्रश्नोत्तर पुस्तिका (रफ़ कार्य के पृष्ठ सहित) के अंदर कहीं पर भी अपना नाम, रोल नंबर अथवा अन्य कोई पहचान चिह्न यथा -- प्रश्नोत्तर में नाम, पता, दूरभाष नंबर, देवताओं के नाम अथवा अन्य कोई भी प्रश्नोत्तर से असम्बंधित शब्द, वाक्य एवं अंक आदि न लिखें । ऐसा करने पर आयोग द्वारा इसे अनुचित साधन अपनाने का कृत्य माना जायेगा । ओ.एम.आर. पत्रक पर रोल नम्बर का त्रुटिपूर्ण अंकन करने पर आयोग द्वारा उसके प्राप्तांकों में से 5 अंक भी काटे जा सकते हैं ।

(F) Candidates are directed that they should not write (answer) out side the border line in every page. Answer written out side the border line will not be checked by the Examiner.
अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि प्रश्नोत्तर पुस्तिका में प्रत्येक पृष्ठ में बनाई गई बार्डर लाईन से बाहर प्रत्युत्तर नहीं लिखें । बार्डर लाईन के बाहर लिखे गये उत्तर को परीक्षक द्वारा जाँचा नहीं जायेगा ।

(G) If there is any sort of ambiguity/mistake either of printing or factual nature then out of Hindi and English version of the question, the English version will be treated as standard.
यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेजी रूपान्तरों में से अंग्रेजी रूपान्तर मान्य होगा ।

(H) The Question-Answer Booklet is provided in a sealed envelope to the candidate. Candidate must sign the declaration as per directions printed on the envelope and return it to the invigilator.
अभ्यर्थी को प्रश्नोत्तर पुस्तिका सीलबंद लिफाफे में प्रदान की गई है । अभ्यर्थी लिफाफे पर अंकित निर्देशों को पढ़कर घोषणा पर हस्ताक्षर कर लें और उसे अभिजागर को वापस कर दें ।

(I) Candidate should fill up all desired details on this attached OMR sheet of Question-Answer Booklet with **blue** ball point pen. Please ensure that this OMR Sheet is not torn or damaged.
अभ्यर्थी प्रश्नोत्तर पुस्तिका के ऊपर संलग्न इस ओ.एम.आर. पत्रक पर सभी वांछित विवरण **नीले** बॉल पेन से सावधानीपूर्वक भरें । ध्यान रखें कि यह ओ.एम.आर. पत्रक कहीं से कटे-फटे नहीं अथवा किसी भी प्रकार से क्षतिग्रस्त नहीं हो ।

(J) This **OMR** Sheet consists of **Two** parts, in which some information is pre-printed; remaining details have to be filled by the candidate.
यह **ओ.एम.आर.** पत्रक **दो** भागों में बंटा है, जिसमें कतिपय सूचनाएँ पूर्वमुद्रित हैं । शेष की पूर्ति अभ्यर्थी को करनी है ।

(K) If the Question-Answer Booklet is torn or not printed properly, bring it to notice of invigilator and change the Question-Answer booklet, otherwise the candidate will be liable for that.
यदि प्रश्नोत्तर पुस्तिका कहीं से कटी-फटी या अमुद्रित है, तो अभिजागर के ध्यान में ला दें तथा उसे बदलवा ले, अन्यथा उसका दायित्व अभ्यर्थी का होगा ।

विशेष नोट :

अभ्यर्थी द्वारा यदि ओ.एम.आर. पत्रक पर गलत सूचना भरी जाती है या उसे किसी प्रकार की क्षति पहुँचाई जाती है अथवा उस पर किसी प्रकार का पहचान चिह्न अंकित किया जाता है, तो आयोग द्वारा संपूर्ण परीक्षा हेतु अभ्यर्थिता निरस्त की जा सकेगी और उसके लिए अभ्यर्थी उत्तरदायी होगा ।

Special Notes :

If there is any wrong information filled by the candidate or any attempt is made to damage it or any marking as identification is done, then his candidature for the entire examination shall be rejected by the commission, for which he will be liable.

SPACE FOR ROUGH WORK

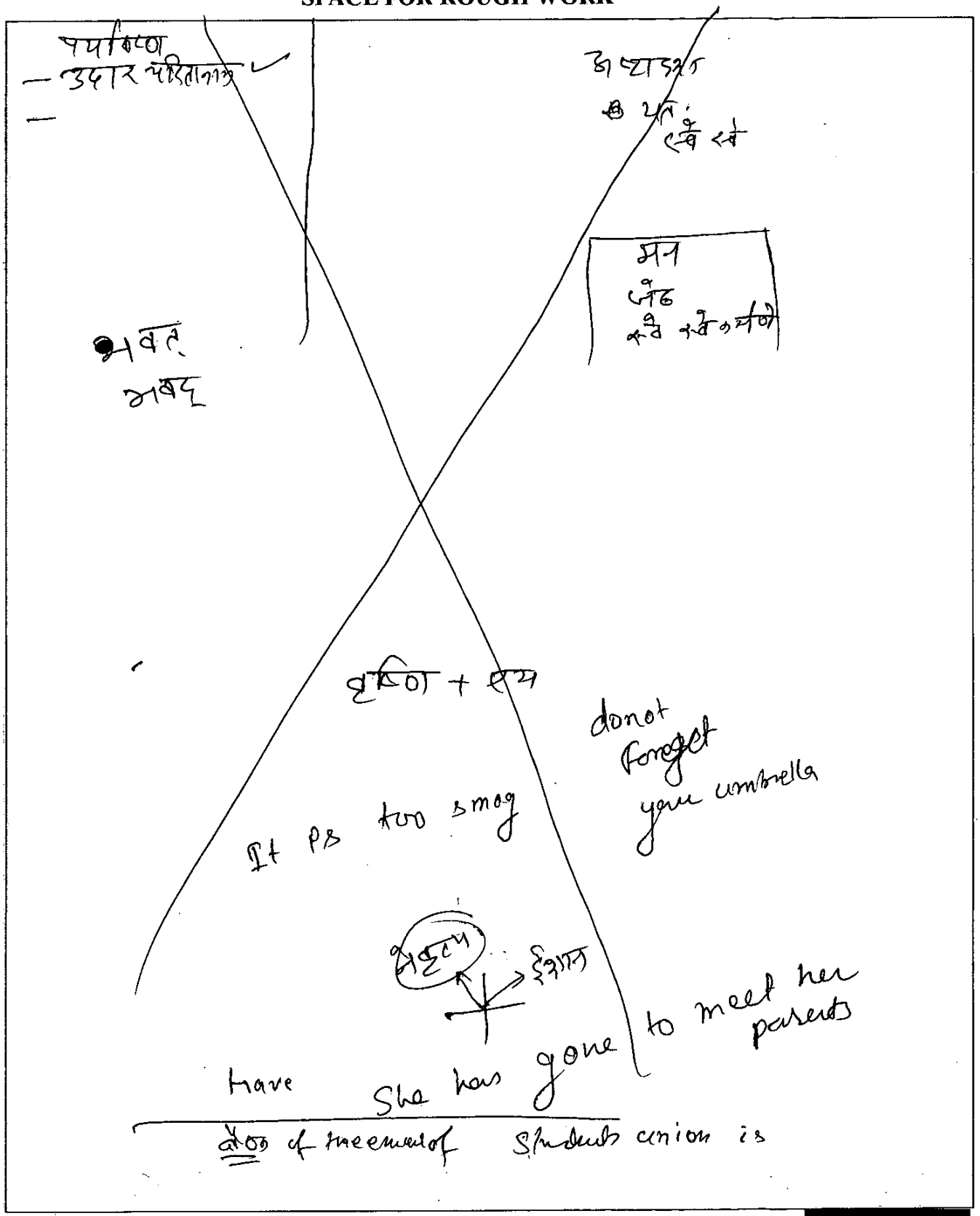

Unit – I (यूनिट – I) (अंक : 100)

भाग – अ अंक : 30

नोट : समस्त प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं ।

1. (क) निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए : 2

(i) उत् + घाटन = उद्घाटन ✓½

(ii) सत् + नारी = सन्नारी ✓½

(iii) लोक + एषणा = लोकेषणा 0

(iv) उत् + शृंखल = उच्छृंखल ✓½

(ख) निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए : 2

(i) सार्धशती = स + अर्धशती ✓½

(ii) निष्ठुर = नि + स्थुर ✓½

(iii) स्वच्छ = सु + अच्छ ✓½

(iv) निरापद् = नि: + आपद ✓½

2. (क) निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त उपसर्गों को शब्दों से अलग करके लिखिए : 2

(i) पर्याप्त परि + आप्त ✓½

(ii) अनसूया अन् + असूया ✓½

(iii) अभ्यंतर अभि + अन्तर ✓½

(iv) अपेक्षित अप + ईक्षित ✓½

(ख) निम्न में से प्रत्येक उपसर्ग के योग से दो-दो शब्द बनाइये : 2

(i) हम – हमसफर, हमराही ✓½ ✓½

(ii) नि – निष्फल, निबन्ध ✓½ ✓½

3. (क) इनमें प्रयुक्त मूल शब्द तथा प्रत्यय को अलग-अलग लिखिए : 2

(i) इन्सानियत इन्सान + इयत ½

(ii) भवदीय भवद् + ईय 0

(iii) नैष्ठिक निष्ठा + इक 0

(iv) वार्ष्णेय वृष्णि + एय 0

(ख) इनमें प्रत्येक प्रत्यय के योग से दो-दो शब्द बनाइये : 2

(i) इन्दा शर्मिन्दा ½, बाशिन्दा ½

(ii) इल पंकिल ½, फेनिल ½

4. निम्नलिखित शब्द-युग्मों का अर्थ भेद स्पष्ट कीजिए : 3

(i) पथ-पथ्य
पथ - रास्ता ½
पथ्य - मार्ग में खाया जाने वाला भोजन

(ii) परुष-पुरुष
परुष - कठोर ½
पुरुष - आदमी

(iii) अश्व-अश्म
अश्व - घोड़ा ½
अश्म - पत्थर

(iv) सर्वदा-सर्वथा
सर्वदा - हमेशा ½
सर्वथा - सब प्रकार से

(v) अनल-अनिल
अनल - आग ½
अनिल - हवा

(vi) प्रणीत-परिणीत
प्रणीत - रचित
परिणीत = विवाहित ½

[redacted]

5. इनमें प्रत्येक वाक्यांश के लिए सार्थक शब्द लिखिए : 3

(i) वह आदेश जो एक निश्चित अवधि के लिए लागू हो

अध्यादेश ✓½

(ii) पर्वत के ऊपर की समतल भूमि

अधित्यका ✓½

(iii) वह जमीन जिसमें कुछ भी पैदावार न हो ✓½

ऊसर

(iv) वह व्यक्ति जो चोरी-छिपे माल लाता-ले जाता हो

तस्कर ✓½

(v) वह भोज्य-सामग्री जिसे यात्री रास्ते में खाने के लिए ले जाता है

पाथेय ✓½

(vi) उत्तर और पश्चिम के बीच की दिशा

ईशान 0

6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए : **4**

(i) रविवार के दिन सभी कार्यालयों में अवकाश रहता है ।

रविवार को सभी कार्यालयों में अवकाश रहता है।

(ii) उन दोनों के बीच में अच्छी मित्रता है ।

उन दोनों में अच्छी मित्रता है।

(iii) हिन्दी विभाग के सभापति इस अधिवेशन के अध्यक्ष हैं ।

हिन्दी विभाग के अध्यक्ष इस अधिवेशन के सभापति हैं।

(iv) उससे भिड़ना तलवार की नोक पर चलना है ।

उससे भिड़ना तलवार की धार पर चलना है।

7. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग द्वारा अर्थ स्पष्ट कीजिए : **4**

(i) अपने पैरों पर खड़ा होना

युवा वर्ग रोजगार प्राप्त करने के लिए अथक प्रयास करता है ताकि वह अपने पैरों पर खड़ा हो सके।

(ii) ठोकर लगना

जब तक मनुष्य को ठोकर नहीं लग जाती वह सही रास्ते पर नहीं आता है।

(iii) कलई खुलना

लादेन को पाकिस्तान में खोजने से सारी दुनिया के सामने उसकी कलई खुल गई।

[redacted]

(iv) खून पसीना एक करना

ग्रामीण मजदूर जेठ की दुपहरी में भी रोजी-रोटी के लिए खून पसीना एक करते नजर आ जाते हैं। ✓1

8. निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों के समानार्थक हिन्दी पारिभाषिक शब्द लिखिए : 4

(i) Indemnity 0

(ii) Abeyance स्थगन 0

(iii) Aggregate सकल ✓½

(iv) Consensus आम राय 0

(v) Documentation कागजी कार्यवाही

(vi) Referendum जनमत संग्रह ✓½

(vii) Surveillance निगरानी ✓½

(viii) Vice-Versa विलोम प्रक्रिया 0

भाग – ब

अंक : 30

नोट : समस्त प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न के सामने अंक दिये गये हैं । जहाँ शब्द सीमा निर्धारित है उसका पालन करें ।

9. निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़कर इससे संबंधित नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

चन्द्रमा पृथ्वी की परिक्रमा करता है । इसके पीछे दो शक्तियों का संतुलन है । पृथ्वी चंद्रमा को निरंतर अपनी ओर खींच रही है । ~~यह एक शक्ति हुई~~ । चंद्रमा पृथ्वी की ओर खिंच नहीं आता । इसके लिए उसे पलायन की शक्ति प्रदर्शित करनी होती है, जो उसे स्वयं की गति से प्राप्त होती है । ~~यह दूसरी शक्ति हुई~~ । जब भी किसी पदार्थ को गति दी जाती है, वह सीधी रेखा में होती है । ~~जब गुलेल से पत्थर छूटता है तब वह सीधी रेखा में जाता है~~ । चूँकि पृथ्वी उसे खींचना चाहती है, इसलिए वह धीरे-धीरे अपनी गति की सीधी रेखा से पृथ्वी की तरफ झुकता है और गिर पड़ता है । ~~चंद्रमा के साथ भी बात इसी तरह की है, लेकिन एक अंतर है ।~~ वह पृथ्वी की तरफ खिंचता अवश्य है, परन्तु उसका अपना वेग इस प्रकार का है कि पृथ्वी और उसके बीच की दूरी हमेशा प्राय: एक-सी रहे, केवल इतना ही वह झुकता है । यदि पृथ्वी का आकर्षण न होता तो सीधी रेखा में भाग जाने का इच्छुक चंद्रमा कब का आकाश में खो चुका होता । पृथ्वी उसकी रेखा को हरक्षण अपनी दिशा में खींच कर रखती है ।

(i) उपर्युक्त अवतरण का उचित शीर्षक दीजिए । **2**

(ii) इस अवतरण का लगभग एक-तिहाई शब्दों में संक्षिप्तीकरण कीजिए । **8**

(1) चन्द्रमा और पृथ्वी का आकर्षण

~~चन्द्रमा द्वारा पृथ्वी की परिक्रमा शक्ति संतुलन से है। चन्द्रमा पृथ्वी से व पृथ्वी चन्द्रमा की गति के कारण बाँधे रखती है।~~

(2) चन्द्रमा - पृथ्वी का शक्ति संतुलन गति से है। चन्द्रमा का पृथ्वी द्वारा खिंचाव, चन्द्रमा की गति की पलायन शक्ति से संतुलित होता है। यह इस रेखीय गति के कारण चन्द्रमा और पृथ्वी की दूरी स्थिर बनी रहती है। अन्यथा चन्द्रमा आकाश में लीन हो जाता।

[redacted]

10. निम्नलिखित सूक्ति का आशय स्पष्ट करते हुए दृष्टांतपूर्वक भाव-विस्तार कीजिए : (शब्द सीमा : लगभग **150** शब्द) **10**

मन के हारे हार है, मन के जीते जीत

इस सूक्ति के माध्यम से जीवन में मनोबल का महत्व स्पष्ट किया गया है।

जब मनुष्य का मनोबल उच्च होता है तो बड़े से बड़ा लक्ष्य भी उसे आसान लगता है। वह अपनी सम्पूर्ण शक्ति को एकत्रित करके पूर्ण मनोयोग के साथ लक्ष्य को प्राप्त कर लेता है।

परन्तु जब मनुष्य का मनोबल कमजोर होता है तो वह आसान कार्य भी नहीं कर पाता है उसे हर कार्य असम्भव लगने लगता है।

राष्ट्रीय आन्दोलन में स्वतन्त्रता सेनानियों ने मनोबल के सहारे ही कभी अस्त न होने वाले ब्रिटिश साम्राज्य को परास्त कर दिया। कहना न होगा कि मनुष्य जीवन की सफलता में सर्वाधिक योगदान मनोबल का होता।

मनोबल पाने के लिए व्यक्ति को निरन्तर कर्म में लीन रहना चाहिए क्योंकि कहा गया है कि - स्वे-स्वे कर्मण्येभिरत संसिद्धिम् लभते नरो।

इस प्रकार कर्म मार्ग से ही मनोबल की प्राप्ति सम्भव है। डॉ कलाम ने इसी मनोबल को ध्यान में रखते हुए युवाओं को "छोटा लक्ष्य बड़ा अपराध" का मंत्र दिया। इसी मनोबल के सहारे राजाओं ने अखण्ड साम्राज्य की स्थापना की, ऋषि मुनियों ने भीषण तपस्या फलित की।

सार रूप में कहा जा सकता है कि मनोबल मनुष्य जीवन की आधारशिला है जिस पर कर्मठ व्यक्ति जीवन संग्राम में नए कीर्तिमान स्थापित करते हैं।

✓5

11. (क) प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय, कालाडेरा की ओर से, विभिन्न कक्षाओं के प्रवेश-पत्र मुद्रण हेतु एक निविदा आमंत्रण सूचना प्रस्तुत कीजिए । 5

राजकीय महाविद्यालय, कालाडेरा

निविदा क्रमांक 114/16/4 दिनांक 12.04.2016

निविदा सूचना

[redacted]

राजकीय महाविद्यालय, कालाडेरा में आयोजित की जाने वाली वार्षिक परीक्षाओं के लिए प्रवेश-पत्र मुद्रण के लिए अधोवर्णित विवरणानुसार पंजीकृत संवेदकों से मुहरबन्द निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रम. संख्या	कक्षा	विद्यार्थी संख्या	प्रवेश पत्र आकार	अनुमानित राशि	धरोहर राशि	समय सीमा
1.	बी.ए.	2000	5"×3"	5000/-	100/-	5 दिन
2.	बी.एससी.	1000	5"×4"	2500/-	50/-	5 दिन

निविदा की शर्तें :-

1. प्रवेश-पत्र महाविद्यालय द्वारा जारी प्रारूप में ही होने चाहिए।
2. अपूर्ण एवं धरोहर राशि रहित निविदाओं पर विचार नहीं किया जाएगा।
3. किसी भी प्रकार की (शर्तों में) परिवर्तन का अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता का सुरक्षित रहेगा।
4. सभी प्रकार के न्यायिक विवाद का क्षेत्र जिला न्यायालय होगा।

ह०
अ ब स
प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय कालाडेरा

(ख) निदेशक, कॉलेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर की ओर से एक परिपत्र प्रस्तुत कीजिए, जिसमें महाविद्यालय-प्राचार्यों से नियमित विद्यार्थियों की 80% उपस्थिति सुनिश्चित करने का उल्लेख हो। 5

राजस्थान सरकार
कॉलेज शिक्षा निदेशालय,
जयपुर
दिनांक: 12.04.2016

[redacted]

परिपत्र

विषय: विद्यार्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु।

उपर्युक्त कार्यालय को विभिन्न संचार माध्यमों और समाचार पत्रों से ज्ञात हुआ है कि महाविद्यालय में विद्यार्थियों की उपस्थिति पर निरन्तर निगरानी नहीं रखने कारण यह विभाग द्वारा तय मानकों के अनुरूप नहीं है। जो कि न केवल लापरवाहपूर्ण कृत्य है बल्कि दण्डनीय भी है। एक बार पुनः महाविद्यालय को सूचित किया जाता है कि विद्यार्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। और इसे विभागीय नियमों के अनुसार न्यूनतम 80% के स्तर पर भी रखी जाए। अन्यथा न केवल विद्यार्थियों को वार्षिक परीक्षा से वंचित किया जाएगा बल्कि सम्बन्धित प्राचार्य के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

ह.
(क ख ग)
निदेशक
दिनांक 12.04.16

परिपत्र क्रमांक 115/15/5/

प्रतिलिपि सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु:

1. समस्त प्राचार्य, महाविद्यालय
2. सचिव महोदय, शिक्षा विभाग, राजस्थान।

ह.
(क ख ग)
निदेशक

 [redacted]

12. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर विस्तृत निबंध लिखिए : (शब्द सीमा : लगभग **500** शब्द) **40**

(i) पर्यावरण संरक्षण और जनचेतना

(ii) सूचना का अधिकार : उपयोगिता एवं सार्थकता

(iii) महिला उत्पीड़न : सामाजिक और विधिक पक्ष

(iv) राजस्थान के पर्यटन विकास में लोक-आस्था केन्द्रों की भूमिका

(v) भूमंडलीकरण के दौर में हिन्दी

(1) पर्यावरण संरक्षण और जनचेतना

पृथ्वी के चारों ओर का आवरण पर्यावरण है, जिसमें जलमण्डल, वायुमण्डल और स्थलमण्डल को शामिल किया जाता है। मनुष्य एवं पर्यावरण के बीच शाश्वत सनातन एवं घनिष्ठ सम्बन्ध है। मनुष्य जीवन की घटनाएँ पर्यावरण के भीतर ही शुरू होकर उसी में समाहित हो जाती है।

वर्तमान समय में मनुष्य द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन से एवं उपभोक्तावादी दृष्टिकोण के कारण मनुष्य से पर्यावरण को लगातार क्षति पहुँचाई जा रही है। मनुष्य के हुक्म पर ताप और हवा का गिरना उठना, पलक झपकते ही अन्धकार को दूर कर देना, क्षण भर में ही मीलों दूर के दृश्य साकारित कर लेना इत्यादि कार्यों को अत्यधिक महत्त्व देने व वसुधा को उपभोग का साधन मानने से इसके क्षरण की चिंता जनक समस्या उत्पन्न हुई है।

अयं निज: परोवेति गणना लघु चेतसाम् ।
उदारचरितानाम् तु वसुधैव कुटुम्बकम् ।

ज्यों ही मनुष्य ने उपर्युक्त उदात्त विचारों का दामन छोड़ा प्राकृतिक क्षरण की शुरुआत हो गई। मनुष्य को सम्पूर्ण सृष्टि को एकाकार रूप में न मानने के कारण अंधाधुंध यातायात, खनन, उद्योग, ओजोन क्षय जलवायु परिवर्तन की समस्याएँ शुरू हुई। पृथ्वी का औसत ताप CO_2, CH_4 नाइट्रोजन के ऑक्साइड वगैरह गैसों के कारण बढ़ रहा है जो न केवल मनुष्य के लिए घातक हैं बल्कि सम्पूर्ण पृथ्वी के जीव-मात्र के लिए हानिकारक हैं।

जिन मातृस्वरूपा जीवनदायिनी नदियों का पानी कभी अमृत तुल्य था आज वही दुर्गन्ध का अनंत साम्राज्य बन चुकी हैं कलकारखानों का अपशिष्ट, शहरी ठोस अपशिष्ट की इस समस्या के निवारण हेतु जनचेतना की बहुत आवश्यकता है।

कभी शांति की स्वरलहरियों की यह धरती आज ध्वनि प्रदूषण के कारण चिड़चिड़ापन, चर्मरोग, आक्रामकता अनिद्रा रोग का कारण बन चुकी है अतः अब आवश्यकता है कि ध्वनि प्रदूषण पर यथोचित नियंत्रण लगाया जाए। पृथ्वी का जो धरातल कभी सरस समतल हुआ करता था वह आज पर्यावरण

प्रदूषण के कारण विकृत हो चुका है।

जल जंगल और जमीन के यथोचित संरक्षण के लिए आवश्यक है कि पर्यावरण को मूल रूप में संरक्षित किया जाए इस हेतु निम्नलिखित कदम उठाए जाने चाहिए — (1) उपभोक्तावादी संस्कृति के स्थान पर सतत् विकास की अवधारणा पर आधारित विकास को बढ़ावा देना चाहिए। (2) शिक्षा प्रणाली में पर्यावरण के महत्व को रेखांकित करने वाली पाठ्यचर्या का समावेश होना चाहिए (3) जनचेतना के लिए स्थानीय लोक प्रचार के माध्यम नुक्कड़ सभा, मनोरंजन कार्यक्रमों का सहारा लेना चाहिए। (4) पर्यावरण के सम्बन्ध में राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर समन्वय व भागीदारी पूर्ण व्यवस्था का निर्माण करना चाहिए। (5) UNFCC द्वारा आयोजित COP सम्मेलन सरीखे कार्यक्रमों को व्यापक प्रचार प्रसार देना चाहिए। (6) परोपकार: पुण्याय पापाय परपीड़नम्) की धारणा रखते हुए पर्यावरणीय जीवों के संरक्षण उपाय Bio sphere Reserve, राष्ट्रीय पार्क, अभ्यारण्यों में उचित दशाओं का विकास किया जाना चाहिए।

मनुष्य के इस एक मात्र आवास को स्थायी संतुलित एवं संवेदनशील बनाए रखते हुए पर्यावरण संरक्षण को सर्वोपरि स्थान दिया जाना समीचीन है। पर्यावरणीय क्रियाकलापों में सभी की भागीदारी बढ़ाते हुए, गाँधी जी के न्यूनतम आवश्यकता के सिद्धान्त को अपनाते हुए पर्यावरण के माध्यम से 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की अवधारणा साकार की जानी चाहिए।

[redacted]

Unit – II
(यूनिट – II)

(अंक : 20)

खण्ड – क

अंक : 10

खास बात :

(i) सगळा सवाला रा जवाब राजस्थानी भाषा में इज देवणां है ।

(ii) इण खण्ड रौ हरेक सवाल **2** अंक रौ है ।

(iii) सगळा सवाल करणां जरूरी है । सबद सीमा – **20** सबद है ।

1. ईसरदास बारहठ री उण रचना रौ नाम बताऔ जिण मांय वीर रस री प्रधानता पाई जावै ।

ईसरदास बारहठ री हालाँ झालाँरी कुंडलियाँ रचना मांय वीर रस री प्रधानता पाई जावै। उणानै – (1) हरिरस और देवियाण नाम सूँ दूसरी रचना भी करी है।

2

2. डूँगरपुर अर बाँसवाड़ा रै मांय बोली जावण वाळी राजस्थानी भाषा री बोली रौ नाम कांई है ?

डूँगरपुर अर बाँसवाड़ा रै मांय वागड़ी बोली बोली जावै है। जार्ज ग्रियर्सन ने इण बोली कै भीली बोली कह्ये है।

2

[redacted]

3. नीचै लिख्यौड़ी कहावतां रौ हिन्दी रै मांय अरथ बताऔ –

(i) धांमिणी चीज रा किसा दांत गिणीजै

1

दान की वस्तु के गुण नहीं देखे जाते है।
(अर्थात् दान को स्वीकार कर लेना चाहिए)

(ii) कैयां कुमार गधै नीं चढ़ै

कहने से कुम्हार गधे पर नहीं चढ़ता है
0
(अर्थात् व्यक्ति अपने से ही काम करता है इसके के कहने पर नहीं।)

4. राजस्थानी सबदां रा समानार्थक हिन्दी सबद बताऔ –

(i) करहौ करना 0

(ii) भाखर तालाब 0

5. नीचै लिख्यौड़ा पद्य रौ हिन्दी मांय अनुवाद करौ –
जिण वन भूल न जांवता, गैंद गवय गिड़राज ।

½

यह रचना राजस्थानी सपूतों को ललकारते हुए लिखी गई है कि जिस वन में कभी कमजोर व कायर लोग प्रवेश नहीं करते थे (इसमें 'आज अंग्रेज शासन कर रहे हो)

[redacted]

तिण वन जंबुक ताखड़ा, ऊधम मांड्यो आज ।।

अंग्रेज

उस वन भूमि में आज अंग्रेज लोग ऊधम मचा रहे हैं अर्थात् ये राजस्थानी मानुष इन्हें बाहर करो।

खण्ड – ख

अंक : 10

खास बात :

(i) सगळा सवाला रा जवाब राजस्थानी भाषा में इज देवणां है ।

(ii) इण खण्ड रौ हरेक सवाल **5** अंक रौ है ।

(iii) दोन्यूं सवाल करणां जरूरी है । सबद सीमा – **80** सबद है ।

6. कवि कन्हैयालाल सेठिया री लिख्यौड़ी काव्य-रचना 'लीलटॉस' रौ मूल भाव कांई है ? खुलासौ करौ ।

राजस्थानी भाषा रो भीष्मपिता के नाम सुं
जाणो जावणा आला सुजानगढ़ रा सेठिया जी ने
लीलटांस (एक बड़ी मारवी जिस्यो जिनावर) के
माध्यम स्यूं मुगत जीवात्मा रो वर्णन करयो है।
सेठिया जीने सक भाषा के मांय पाई जावण वारी
लीलटांस के मुक्ति रो भाव रो प्रतीक मान्यो है।
उणाने वांके माध्यै स्युं जनता न जीवन के मांय
सबनुं मिल जुल कर रैवणो, भगवान भक्ति करणो
मायड़ भाषा के माध्यम स्यूं चोखो भलो
समझायो है। सेठिया जी ने राजस्थानी भाषा को
आजीवन व्रत धारण करया-करयां कूं कूं मींझर,
धरती धोरां री, मायड़ रो हेलो, पातल सोर
पीथल रचनावां रै सागै राजस्थानी भाषा को
घणो मान बढ़ायो है। सरकार वाने राजस्थान
रत्न री उपाधि स्यूं सम्मानित करयो है। (प्रकृति प्रेम)

[redacted]

op

7. राजस्थानी लोकगाथा 'निहालदे-सुलतान' रौ कथानक सार रूप मांय बताऔ ।

अथवा

वचनिका सूं आप कांई समझौ ? अचलदास खींची री वचनिका रै रचनाकार रौ नाम बताऔ ।

अचलदास खींची री वचनिका रै रचनाकार रौ नाम शिवदास गाडण है।

वचनिका गद्य-पद्य की तुकान्त शैली को नाम है।
जकेरै मायं राजें-महाराजें रो इतिहास को मान-सम्मान
के सागे वर्णन कर्यो जावे है। वचनिका के मांय
अन्त्यानुप्रास, अलंकार उपयोग कर्यो जावे है।
इक मायंने राजा महाराज को वीर रस के सागे
लड़ाया को वर्णन कर्यो जावे। राजस्थानी भाषा में
बहुतेक इतिहास री पुरखा प्रमाण वचनिका रै मांयो मिले
है। वचनिका के मांये इतिहास के सागे लोगां को
चाल चलन उठ बैठ का व और रीत्यां को नीत्यां
को वर्णन भी कर्यो जावे।

इणके अलावा वेलि (वयण सगाई अलंकार) वात (कहानी)
वंशावली दवावैत ख्यात रासौ प्रकास, मरस्या के
मांयने भी राजस्थान की लोक विधाऐं
लिखी जावे है। इस हिसाब स्यूं राजस्थानी
भाषा के मांय वचनिका इतिहास री बड़े सामयिक
वर्णन करै है।

2½

[redacted]